विषय–संगीत (वादन)
कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

संगीत वादन पाठ्यक्रम दो भागों में क्रमशः प्रथम भाग अवनद्ध वाद्य (तबला एवं पखावज) तथा द्वितीय भाग तत् वाद्यों सहित अन्य वाद्य लेने वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित हैं।

प्रथम भाग
अवनद्ध वाद्य (तबला, पखावज) हेतु

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर का प्रोजेक्ट/आंतरिक मूल्यांकन कार्य होगा।

खण्ड 'क'
शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या

ताल, ताली अथवा भरी, सम, मात्रा, लय, तिहाई, पेशकारा, टुकड़ा उत्तर एवं दक्षिण भारतीय താललिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

खण्ड 'ख'

1. तीनताल झपताल में प्रत्येक में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और 2 तिहाई लिखने व बजाने की योग्यता।
2. चारताल में 2 टुकड़ा एवं एक परन लिखने व बजाने की योग्यता।
3. कहरवा, तीव्रा तथा दीपचन्दी तालों का साधारण ठेका।
4. अपने वाद्य में बजाए जाने वाले वर्ण एवं बोलो को निकालने की विधि।

प्रोजेक्ट वर्क

नोट :–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए जाएगे। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट दे सकते है।

1. अपने वाद्य की उत्पत्ति एवं विकास का सचित्र वर्णन।
2. अपने वाद्य यंत्र के वर्ण की निकास विधि लिखिए।
3. रेडियों एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाकर उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।
4. उत्तर भारतीय संगीत के ''भारत रत्न'' पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।
5. अपने वाद्य का सचित्र चार्ट बनाकर अंगों का वर्णन कीजिए।
6. तबला की मुख्य परम्परा/घराना को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।
7. किसी संगीत समारोह का आंखों देखा वर्णन कीजिए।
8. किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सांगीतिक योगदान को विस्तार से समझाइए।
9. संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
10. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय लिखिए।
11. वाद्य के समस्त प्रकारों (तत् सुषिर, घन, अवनद्ध) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम लिखिए।

द्वितीय भाग
(तत् वाद्यों सहित अन्य वाद्य वाले विद्यार्थियों के लिए)

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट/आन्तरिक मूल्यांकन कार्य होगा–

खण्ड 'क'
शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–

1. वर्ण, सप्तक (मन्द्र, मध्य, तार) का विस्तृत अध्ययन, मुर्की, कण, विवादी स्वर, मींड घसीट, झाला, जोड़ आलाप, तिहाई, सम, वक्र स्वर।

2. भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर संगीत लिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
3. थाटों का वर्गीकरण और उनसे रागों की उत्पत्ति।

खण्ड 'ख'

1. वादन पाठ्यक्रम में रागों की विशेषताए– स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त एवं भेद।
2. गतों को लिपिबद्ध (तोड़ों एवं सरल स्वर विस्तार के साथ) करने की योग्यता।
3. स्वर समूहों के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने की योग्यता।
4. जीवनी– पं0 विष्णु दिगम्बर पलुष्कर, तानसेन।
5. निबन्ध–संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध।
6. राग विहाग तथा राग भैरवी में एक मसीतखानी गत तथा एक रज़ाखानी गत का अध्ययन।
7. राग देस, राग बागेश्री तथा राग काफी में कलात्मक विकास के बिना एक गत। इन रागों में आरोह, अवरोह, पकड़ लिखने की योग्यता।
8. ताल कहरवा, तीनताल, एकताल और चारताल का ज्ञान।
9. अपने वाद्य में बजने वाले बोलों को निकालने की विधि का ज्ञान।
10. प्रचलित वाद्य और उनकी विशेषताओं का ज्ञान।

नोट :–उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिए 15 अंक निर्धारित किये गये है तथा 15 अंकों के प्रोजेक्ट कार्य कराये जायेगें।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए जाएगे। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट दे सकते है।

1. अपने वाद्य की उत्पत्ति एवं विकास को सचित्र वर्णन।
2. अपने वाद्य यंत्र के वर्ण की निकास विधि।
3. रेडियों एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाकर उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।
4. उत्तर भारतीय संगीत के ''भारत रत्न'' पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।
5. अपने वाद्य का सचित्र चार्ट बनाकर अंगों का वर्णन कीजिए।
6. तबला की मुख्य परम्परा/घराना को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।
7. किसी संगीत समारोह का आंखों देखा वर्णन कीजिए।
8. किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के संगीतिक योगदान को विस्तार से समझाइए।
9. संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
10. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय लिखिए।
11. वाद्य के समस्त प्रकारों (तत् सुषिर, घन, अवनद्ध) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम लिखिए।

शैक्षिक सत्र 2024–25 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)	अगस्त माह	10 अंक (5+5)
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)	दिसम्बर माह	10 अंक (5+5)
3–चार मासिक परीक्षाएं		10 अंक

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) — मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) — जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) — नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) — दिसम्बर माह

  चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।